
भजन संहिता 119:105
“तेरा वचन मेरे पाँव के लिए दीपक है, और मेरी मार्गदर्शिका के लिए ज्योति।”

सच कहें तो, अगर हम ईश्वर के वचन को अच्छी तरह समझ लें — जैसा किसी ने कहा है — तो अगर हमें अंधेरे कमरे में बंद कर दिया जाए और हमारे पास सिर्फ एक बाइबिल हो, तो भी हम पूरी दुनिया में शैतान की हर एक गतिविधि को समझ सकते हैं, बिना किसी से सुने। हमें नर्क से गवाहों की ज़रूरत नहीं, क्योंकि बाइबिल ने सब कुछ स्पष्ट कर दिया है। आज हम देखेंगे कि शैतान की दस मुख्य बड़ी गतिविधियाँ कौन-कौन सी हैं, और इन्हें ईश्वर के वचन के आधार पर समझेंगे:

---

1) पवित्रों का दोषारोपण करना (शिकायत करना)

उपदेश 12:10
“मैंने स्वर्ग में एक बड़ी आवाज सुनी, जिसने कहा: अब हमारे परमेश्वर की मुक्ति, और उसकी शक्ति, और उसके मसीह की राज्यगति हो गई है; क्योंकि हमारे भाईयों के विरोधी, जो दिन-रात हमारे परमेश्वर के सामने उन्हें दोषी ठहराते थे, फेंक दिये गये हैं।”

शैतान पवित्रों के खिलाफ लगातार आरोप लगाता रहता है। वह उन्हें परमेश्वर के सामने शिकायत करता है, दिन -रात। लेकिन धन्यवाद हो यीशु मसीह को जो हमारे लिए मध्यस्थ हैं और हमारी रक्षा करते हैं। इसलिए हमें अपने रास्तों को सही रखना चाहिए ताकि शैतान के पास हमारे खिलाफ कुछ न हो।

---

2) परमेश्वर के काम को रोकना

1 थिस्सलुनीकियों 2:18
“मैं तुम्हारे पास आना चाहता था, पर शैतान ने मुझे रोका।”

शैतान काम रोकने की कोशिश करता है, जैसे वह प्रेरित पौलुस को रोकना चाहता था। हमें पूरी तरह से आत्मरक्षा करनी चाहिए, और धैर्य से खड़ा रहना चाहिए, क्योंकि हमारा परमेश्वर हमारी शक्ति है।

---

3) परीक्षा लाना

शैतान हमें परीक्षा में डालता है ताकि हम विश्वास छोड़ दें। यह अनुभव आयूब और यीशु मसीह को भी हुआ। लेकिन जो यीशु में हैं, उन्हें कोई चीज़ उनसे अलग नहीं कर सकती।

---

4) रोग लाना

लूका 13:16
“यह महिला , जो अब 18 साल से बंधी हुई थी , शैतान ने उसे बंधा हुआ रखा था। ”

शैतान कई बीमारियों का कारण है , लेकिन जो यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं उन्हें स्वास्थ्य और सुरक्षा का वादा मिला है।

---

5) हत्या करना

यूहन्ना 8:44
“वह मारा करने वाला है , और झूठ बोलने वाला भी। ”

शैतान का मूल काम हत्या करना है , पर जो मसीह में हैं , उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकता।

---

6) धोखा देना

शैतान झूठ बोलने वाला है और लोगों को भ्रमित करता है ताकि वे परमेश्वर से दूर रहें।

7) भ्रमित करना

2 कुरिन्थियों 4:3-4
“जो इस दुनिया के देवता हैं, उन्होंने विश्वास न करने वालों के दिमाग़ को अंधा कर दिया है ताकि वे सुसमाचार के प्रकाश को न देख सकें।”

शैतान लोगों को सच्चाई से दूर रखता है।

8) परमेश्वर के वचन को छीनना

मत्ती 13:19
“जब कोई शैतान का पुत्र उस वचन को सुनता है, तो वह तुरंत उसे छीन लेता है।”

शैतान यह सुनिश्चित करता है कि लोग परमेश्वर का वचन न समझ पाएं।

9) स्वर्गदूत का रूप धारण करना

2 कुरिन्थियों 11:14
“शैतान भी स्वर्गदूत का रूप धारण करता है।”

शैतान और उसके सेवक झूठे प्रवक्ता बनकर लोगों को भ्रमित करते हैं।

---

10) झूठे चमत्कार करना

प्रकटीकरण 13:13-14
“शैतान बड़े चमत्कार करता है ताकि लोग भ्रमित हो जाएं। ”

शैतान झूठे चमत्कार करता है ताकि लोग उसके झूठों में फंस जाएं।

यदि आप यीशु मसीह में नहीं हैं , तो आप बहुत बड़े खतरे में हैं।
यीशु में जो है , वह सुरक्षित है। निर्णय आपका है : आज तुबा करें ,
और ईसा मसीह में आकर अपनी आत्मा को बचाएं।

ईश्वर आपका भला करे।

Share on:
WhatsApp